हिमाचल प्रदेश 'पूर्ण साक्षर' राज्य घोषित

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस]

यह घोषणा 8 सितंबर को **अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस** के अवसर पर [उल्लास कार्यक्रम] के अंतर्गत की गई।

- हिमाचल प्रदेश **पूर्ण क्रियात्मक साक्षरता प्राप्त करने वाला चौथा राज्य** बन गया है और इस महत्त्वपूर्ण उपलब्धि में **त्रिपुरा, मिज़ोरम** और **गोवा** के साथ शामिल हो गया है।
- **जून 2024** में लद्दाख को पूर्ण साक्षर घोषित किया गया **पहला केंद्रशासित** प्रदेश घोषित किया गया।
- हिमाचल प्रदेश की साक्षरता दर **99.30%** तक पहुँच गई है, जो राष्ट्रीय मानक 95% से अधिक है, जिसे शिक्षा मंत्रालय पूर्ण साक्षरता (100%) के समकक्ष मानता है।

उल्लास कार्यक्रम

- **उल्लास (समाज में सभी के लिये आजीवन सीखने की समझ)** नव भारत साक्षरता कार्यक्रम एक **केन्द्रीय प्रायोजित योजना** है, जिसे वर्ष 2022 से 2027 तक लागू किया जा रहा है।
- इसे **न्यू इंडिया लिटरेसी प्रोग्राम (NILP)** भी कहा जाता है, जिसका लक्ष्य **15 वर्ष और उससे अधिक आयु के निरक्षर वयस्क** हैं।
- **इसका उद्देश्य साक्षरता, डिजिटल साक्षरता** तथा **वित्तीय साक्षरता** जैसी महत्वपूर्ण जीवन कौशल प्रदान करना है।
- अब तक इसमें **3 करोड़ से अधिक शिक्षार्थियों और 42 लाख स्वयंसेवकों** का नामांकन हुआ है, जिनमें से 1.83 करोड़ शिक्षार्थियों ने **आधारभूत साक्षरता मूल्यांकन** 90% सफलता दर के साथ पूरा किया है।
- यह कार्यक्रम अब **26 भारतीय भाषाओं** में अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराता है, जिससे समावेशी साक्षरता को बढ़ावा दिया जा रहा है।

राष्ट्रीय साक्षरता परिदृश्य

- **भारत के महापंजीयक के कार्यालय** के अनुसार, कोई भी व्यक्ति जिसकी **आयु 7 वर्ष या उससे अधिक** है और जो किसी भी भाषा में समझ के साथ पढ़ एवं लिख सकता है, **साक्षर माना** जाता है।
- **कार्यात्मक साक्षरता** किसी व्यक्ति की दैनिक कार्यों में पढ़ने, लिखने और संख्यात्मक कौशल का उपयोग करने की क्षमता को संदर्भित करती है जो व्यक्तिगत विकास और सामुदायिक भागीदारी में योगदान करती है।
- **PLFS 2023-24** के अनुसार, भारत की **कुल साक्षरता दर 80.9%** है।

और पढ़ें: [अखिल भारतीय शिक्षा समागम और उल्लास पहल]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/himachal-pradesh-declared-fully-literate-state